Sridev Suman Uttarakhand University, Tehri Garhwal, Uttarakhand

Faculty of Arts

SANSKRIT

Syllabus

Undergraduate Courses for Sanskrit Programme
Under National Education Policy-2020

(Major, Minor Elective & Vocational/Skill Enhancement Course)

B.A. – First Semester to Sixth Semester

(W.E.F. SESSION 2022-23)

Sridev Suman Uttarakhand University, Tehri Garhwal, Uttarakhand

Department of Sanskrit

Syllabus

Prepared by
Dr. Poonam Pathak
HOD, Sanskrit
Pt. Lalit Mohan Sharma Campus, Rishikesh

SRI DEV SUMAN UTTARAKHAND UNIVERSITY
Badshahithaul, Tehri Garhwal (Uttarakhand)
List of Members of Board of Studies

Sl. No.	Name of the Members	Designation	Nominated as
1	Prof. Dinesh Chandra Goswami	Dean of Arts	**Chairman**
2	Prof. Muktinath Yadav	Professor	**Member**
3	Prof. Hemant Kumar Shukla	Professor	**Member**
4	Prof. Sangeeta Mishra	Professor	**Member**
5	Prof. Preeti Kumari	Professor	**Member**
6	Prof. Anand Prakash Singh	Professor	**Member**
7	Prof. Pushpanjali Arya	Asso. Professor	**Member**
8	Prof. D K P. Choudhury	Professor	**Member**
9	Dr. Poonam Pathak	Professor	**Member**
10	Dr. Atal Bihari Tripathy	Asst. Professor	**Member**
11	Dr. Pushkar Gaur	Asst. Professor	**Member**
12	Dr. Shikha Mamgai	Asst. Professor	**Member**
13	Prof. M. S, Mawri	Professor	**Member**
14	Dr. Preeti Gupta	Asst. Professor	**Member**
15	Dr. Narmadeshwar Shukla	Professor	**Member**
16	Dr. Poonam Pandey	Asst. Professor	**Member**
17	Dr. Vandana Sharma	Principal	**Member**
1	Prof, Janki Panwar	Principal	GPGC Kotdwar
2	Prof. Lovely Rajvanshi	Principal	GPGC, Jaiharikhal
3	Prof. K. L. Talwar	Principal	GDC, Chakrata
4	Dr. Himanshu Das	Director	NIVH, Rajpur Road
5	Prof. M. S. M. Negi	Professor	SRT Campus, HNBGU, Srinagar
6	Prof. M. C. Sati	Professor	HNBGU, Srinagar
7	Prof. S. L. Bhatt	Ex. Principal	GPGC, Kotdwar
8	Dr. P.C. Painuli	Asst. Professor	GPGC, New Tehri
9	Dr. Asha Devi	Asso. Prof.	GPGC, Kotdwar

संस्कृत अध्ययन/पाठ्य समिति की बैठक

श्रीदेव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय टिहरी गढ़वाल के पत्रांकः 61/एसडीएसयूवी/ प्रशासन/ 2022, दिनांक 06 अगस्त 2022 के क्रम में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत नवीन शिक्षा पाठ्यक्रम के समायोजन तथा परिवर्तन एवं परिवर्धन हेतु दिनांक–10.08.2022 को प्रातः 10 बजे से विश्वविद्यालय के ऋषिकेश परिसर में **अध्ययन/पाठ्य समिति की** बैठक आहूत की गयी जिसमें निम्नलिखित बाह्य विषय विशेषज्ञों एवं आमन्त्रित सदस्यों की उपस्थिति रही-

1. प्रो० जानकी पँवार
   प्राचार्या, राजकीय स्नात० महाविद्यालय, कोटद्वार
2. प्रो० लवली राजवंशी,
   प्राचार्या, राजकीय स्नात० महाविद्यालय, जयहरीखाल
3. प्रो० के० एल० तलवार
   प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय, चकराता, देहरादून
4. डॉ० हिमांशु दास
   निदेशक, राष्ट्रीय दृष्टि बाधितार्थ संस्थान, देहरादून
5. प्रो एम० एस० एम० नेगी, एस आर टी कैंपस, टिहरी–गढ़वाल
6. प्रो० एम० सी० सती, हे० न० ग० वि० वि० श्रीनगर, गढ़वाल
7. प्रो० एस० एल० भट्ट, पूर्व प्राचार्य राजकीय स्नात० महाविद्यालय, कोटद्वार
8. प्रो० दिनेश चन्द्र गोस्वामी, संकायाध्यक्ष–कला,
   पं० ल० मो० श० परिसर, ऋषिकेश , श्रीदेव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय
9. डॉ० पूनम पाठक, संयोजिका, पाठ्य समिति,
   पं० ल० मो० श० परिसर, ऋषिकेश , श्रीदेव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय

DRAFT

National Education Policy-2020

Common Minimum Syllabus for all Uttarakhand State Universities and Colleges for First Three Years of Higher Education

PROPOSED STRUCTURE OF UG SANSKRIT SYLLABUS

Syllabus Prepared, checked and modified by:

S.N.	Name	Designation	Department	Affiliation
1.	PROF. PUSHPA AWASTHI	PROFESSOR	SANSKRIT	SOBAN SINGH JEENA, ALMORA UNIVERSITY
2.	PROF. JAYA TIWARI	PROFESSOR	SANSKRIT	D.S.B. CAMPUS KUMAUN UNIVERSITY, NAINITAL
3.	PROF. SHALIMA TABASUM	PROFESSOR	SANSKRIT	SOBAN SINGH JEENA, ALMORA UNIVERSITY
4.	PROF. KAMALA PANT	PROFESSOR	SANSKRIT	MBPG COLLEGE HALDWANI
5.	PROF. SHALINI SHUKLA	PROFESSOR	SANSKRIT	PG COLLEGE PITHORAGAR
6.`	DR. POONAM PATHAK	ASSOCIATE PROFESSOR	SANSKRIT	SHRIDEV SUMANA UNIVERSITY, RISHIKESH
7.	DR. LAJJA BHATT	ASSISTANT PROFESSOR	SANSKRIT	D.S.B. CAMPUS KUMAUN UNIVERSITY, NAINITAL
8.	DR. NEETA ARYA	ASSISTANT PROFESSOR	SANSKRIT	D.S.B. CAMPUS KUMAUN UNIVERSITY, NAINITAL
9.	DR. NEERAJ JOSHI	ASSISTANT PROFESSOR	SANSKRIT	UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY, HALDWANI
10.	DR. RAGHAVA JHA	ASSISTANT PROFESSOR	SANSKRIT	PG COLLEGE KASHIPUR
11.	DR. MOOLA CHANDRA SHUKLA	ASSISTANT PROFESSOR	SANSKRIT	PG COLLEGE RAMNAGR
12.	DR. PRADEEP KUMAR	ASSISTANT PROFESSOR (CONTRACT)	SANSKRIT	D.S.B. CAMPUS KUMAUN UNIVERSITY, NAINITAL

अध्ययन/पाठ्य समिति द्वारा संस्तुत संस्कृत पाठ्यक्रम

10 अगस्त 2022

List of all Papers in all Six Semesters

Semester-wise Titles of the Papers in Sanskrit
(National Education Policy- 2020)

Subject: Sanskrit								
Course /Entry –Exit Levels	**Year**	**Sem.**	**Paper 1 Major Course (course code)**	**Credit/ hrs**	**Paper 2 Minor/ Elective**	**Credit/ hrs**	**Research Project**	**Credit**
Certificate Course In Arts-Sanskrit	**I**	**I**	संस्कृत नीति साहित्य एवं व्याकरण **(SANCC101)**	6	संस्कृत भाषा अध्ययन **(SANME103)**	4		
		II	संस्कृत महाकाव्य, छन्दोऽलंकार एवं नाटक **(SANCC102)**	6				
Diploma in Art-Sanskrit	**II**	**III**	संस्कृत साहित्य, भारतीय संस्कृति एवं व्याकरण **(SANCC201)**	6	श्रीमद्भगवद्गीता का अध्ययन **(SANME203)**	4		
		IV	संस्कृत साहित्य, साहित्यकार परिचय एवं निबन्ध **(SANCC202)**	6				
Bachelor of Arts- Sanskrit	**III**	**V**	साहित्य शास्त्र, दर्शन एवं व्याकरण **(SANCC301)**	5			*संस्कृत साहित्य की विविध विधाओं में लघुशोध कार्य **(SANRP303)**	4
			उपनिषद्, पुराण एवं स्तोत्रकाव्य **(SANCC302)**	5				
		VI	वैदिक वाङ्मय **(SANCC304)**	5			*वैदिक वाङ्मय पर आधारित लघुशोध कार्य **(SANRP306)**	4
			धर्मशास्त्र : स्मृति एवं अर्थशास्त्र **(SANCC305)**	5				

*** Qualifying Only**

COURSE INTRODUCTION

Programme outcomes (POs):	
PO1	साहित्य मानव संवेदना की अभिव्यक्ति का प्रमुख स्त्रोत रहा है। कलाओं में यह सम्पूर्ण कला है। साहित्य– समाज का दर्पण है। स्नातक उपाधि में इस विषय के चयन से विद्यार्थी साहित्य के अध्ययन से तात्कालिक समाज एवं संस्कृति से अवगत होगा।
PO2	सहज एवं स्वाभाविक रूप से भाषा–कौशल प्राप्त कर उनमें प्रभावशाली अभिव्यक्ति की क्षमता उत्पन्न होगी।
PO3	आत्मविश्वास से युक्त एवं नेतृत्व क्षमता प्राप्त होगी।
PO4	मूल्यपरक व्यक्तित्व से युक्त होकर भारतीयता के बोध के साथ वैश्विक नागरिक के रूप में भावी चुनौतियों का सामना करने में सक्षम होंगे।
PO5	विद्यार्थी संघ लोक सेवा आयोग एवं प्रादेशिक लोक सेवा आयोगों के परीक्षा पाठ्यक्रम में सम्मिलित संस्कृत साहित्य की आधार एवं अनिवार्य शिक्षा प्राप्त कर सकेगें।
PO6	विद्यार्थियों को लेखन, वाचन एवं अध्ययन की दृष्टि से भाषागत दक्षता प्राप्त हो सकेगी।

Programme specific outcomes (PSOs):

UG I Year / Certificate cours Arts with Sanskrit

1.सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा के रूप में संस्कृत भाषा के प्राचीन महत्व एवं उसकी वर्तमान प्रासंगिकता को जानने–समझने योग्य होंगे।
2.संस्कृत साहित्य के विभिन्न विषयों यथा नीतिसाहित्य,, व्याकरण, महाकाव्य, छन्द, अलङ्कार एवं नाटक इत्यादि से सुपरिचित होकर संस्कृत विषय के महत्त्व का बोध होगा।
3.संस्कृत भाषा अध्ययन, सम्भाषण, से जीविकोपार्जन के योग्य हो जायेगें।

Programme specific outcomes (PSOs):

UG II Year/ Diploma in Arts with Sanskrit

1. संस्कृतसाहित्य, भारतीय संस्कृति ,व्याकरण का बोध हो सकेगा।
2. श्रीमद्भगवद्गीता के अध्ययन से आत्मप्रबन्धन में कुशल होगें।
3. धर्म–दर्शन, आचार–व्यवहार, नीतिशास्त्र के मूलतत्त्वों को जानकर उत्तम चरित्रवान् मानव एवं कुशल नागरिक बनेंगे।
4. संस्कृत साहित्य के अन्तर्गत प्राचीन–अर्वाचीन संस्कृत साहित्यकारों की कृतियों में निबद्ध समसामयिक विषय का बोध होगा।

Programme specific outcomes (PSOs): *UG III Year / Bachelor of Arts with Sanskrit*	
PSO1	विद्यार्थी स्नातक उपाधि पाठ्यक्रम के अन्तर्गत मुख्य विषय के रूप मे साहित्य शास्त्र, दर्शन एवं व्याकरण का आधारभूत ज्ञान प्राप्त करेगें।
PSO2	पाठ्यक्रम के अन्तर्गत, उपनिषद् पुराण एवं स्तोत्रकाव्य से परिचित होगें।
PSO3	स्नातक उपाधि के पाठ्यक्रम में विद्यार्थी वैदिकवाङ्मय ,एवं धर्मशास्त्र का ज्ञान प्राप्त करेंगें।
PSO4	पाठ्यक्रम के अन्तर्गत भारतीय ज्ञानपरम्परा के अन्तर्गत भारतीय दर्शन, एवं नीतिकथाओं के अध्ययन से विद्यार्थी का चारित्रिक उन्नयन होगा।
PSO5	पाठ्यक्रम के अन्तर्गत स्मृति साहित्य का अध्ययन कर उसके महत्व से परिचित होगें।
PSO6	कौटिलीय अर्थशास्त्र के अध्ययन से विद्यार्थी परिचित होगें। इस प्रकार धर्म–दर्शन, आचार–व्यवहार, नीतिशास्त्र के मूल तत्त्वों को जानकर उत्तम चरित्रवान् मानव एवं कुशल नागरिक बनेंगे। प्रस्तावित विषय–संस्कृत साहित्य की विविध विधाओं एवं वैदिक वाङ्मय पर आधारित विषय पर लघु शोध कार्य से विद्याार्थियों की शोधपरक बुद्धि का विकास होगा। सर्वेक्षण, अन्वेषण एवं मनन–चिन्तन से उनका बौद्धिक स्तर बढेगा साथ ही समसामयिक समस्या के निदान का मार्ग भी प्रशस्त होगा।

CERTIFICATE COURSE IN UG

Programme: *Certificate Course in Arts- Sanskrit*	**Year: I**	**Semester:I Paper-I**

Subject: Sanskrit

CourseCode: SANCC101	**Course Title: संस्कृत नीति साहित्य एवं व्याकरण**

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. विद्यार्थी संस्कृत नीति साहित्य से परिचित हो सकेंगे।
2. संस्कृत नीतिसाहित्य की सुगीतात्मकता का सौंदर्यबोध कर सकेंगे।
3. नीति साहित्य में प्रयुक्त नैतिक शिक्षा का बोध कर सकेंगे।
4. संस्कृत व्याकरण का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर उसकी वैज्ञानिकता से सुपरिचित हो सकेंगे।
5. संस्कृत वर्णों के शुद्ध उच्चारण कौशल का विकास होगा।
6. स्वर एवं व्यंजन के मूल भेद को समझ कर पृथक् अर्थावगमन की क्षमता उत्पन्न होगी।
7. स्वर, व्यंजन एवं विसर्ग संधि का विशिष्ट ज्ञान एवं उनके अनुप्रयोग का कौशल विकसित होगा।

Credits: 6	**Core Compulsory**
Max. Marks: 25 (Internel)+ 75 (External)=100	

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 6-0-0

Unit	**Topic**	**No. of Lectures**
Unit I	नीतिशतकम्– भर्तृहरि (प्रारम्भ की दो पद्धतियॉ)–संस्कृत नीति साहित्य का परिचय, भर्तृहरि का जीवनवृत्त एवं नीति साहित्य को योगदान, मूर्ख पद्धति एवं विद्वत्पद्धति, के श्लोकों का अर्थ एवं व्याकरणात्मक टिप्पणी।	16
Unit II	हितोपदेश–मित्रलाभ (प्रारम्भिक दो कथायें)–नीति कथाओं का विकास एवं महत्त्व, श्री नारायण पण्डित का जीवन वृत्त एवं कृतियों का परिचय, हितोपदेश की प्रथम दो कथाओं का सारांश (वृद्धव्याघ्रपथिकयोः कथा एवं मृगजम्बुकयोः कथा), अनुवाद एवं व्याकरणात्मक टिप्पणी।	17
Unit III	व्याकरण– संज्ञाप्रकरणम्–माहेश्वरसूत्राणि, लघुसिद्धान्तकौमुदी के संज्ञाप्रकरण से सूत्र संख्या– 1/3/3, 1/1/60, 1/3/9, 1/1/71, 1/2/27, 1/2/29, 1/2/30, 1/2/31, 1/1/8, 1/1/9, 1/1/69, 1/4/109, 1/1/7 एवं 1/4/14।	17

Unit IV	व्याकरण– शब्दरूप लेखन मात्र– राम, रमा, फल, हरि, नदी, गुरु, अस्मद् एवं युष्मद्।	10
Unit V	धातुरूप– पठ्, गम्, भू, कृ, लिख्– पाँचों लकारों में लेखन मात्र– लट्, लृट्, लोट्, लङ् एवं विधिलिंङ्।	10
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	70 20 Total- 90

Suggested Reading:

1. नीतिशतकम्– जनार्दन शास्त्री पाण्डेय, मोतीलाल बनारसीदास दिल्ली।
2. भर्तृहरि कृत नीतिशतकम्,मनोरमा हिन्दी व्याख्या सहित, ओम प्रकाश पाण्डेय, चौखम्बा अमरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
3. हितोपदेश– सम्पादक डॉ0 प्रभुनाथ द्विवेदी, चौखम्बा अमरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
4. हितोपदेश (मित्रलाभ)– डॉ0 कविता गौतम, युवराज प्रकाशन, आगरा।
5. हितोपदेश सं0 जीवानन्द विद्यासागर, कोलकता।
6. भर्तृहरिविरचितम नीतिशतकम्, भर्तृहरि (व्या0) राकेश शास्त्री, परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली 2003।
7. भर्तृहरिविरचितम् नीतिशतकम्, बाबूराम त्रिपाठी (सम्पादक), महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा।
8. लघुसिद्धान्तकौमुदी– श्री वरदराजाचार्य कृत–'ललिता'– संस्कृत– हिन्दी टीकोपेता– डॉ0 कौशल किशोर पाण्डेय–चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।
9. लघुसिद्धान्तकौमुदी– श्री वरदराजाचार्य कृत– व्याख्याकार श्रीधरानन्द शास्त्री– चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।

This course can be opted as an elective by the students of UG .

CERTIFICATE COURSE IN UG		
Programme: ***Certificate Course in Arts- Sanskrit***	**Year: I**	**Semester:I or II**
Subject: Sanskrit		
CourseCode: SANME103	**Course Title: संस्कृत भाषा अध्ययन**	

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. संस्कृतभाषा का अध्ययन करने से विद्यार्थियों में व्याकरण के प्रति रूचि उत्पन्न हो सकेंगी।
2. संस्कृतभाषा को स्नातक–कलावर्ग के अतिरिक्त वाणिज्य एवं विज्ञानवर्ग के विद्यार्थी भी पढ़ सकते हैं।
3. संस्कृतभाषा के ज्ञान से नैतिकमूल्यों, आध्यात्मिकमूल्यों से युक्त ग्रन्थों के अध्ययन में सुगमता प्राप्त होगी। मूल्यपरक ग्रन्थों के बोध से अपने जीवन का लक्ष्य पूर्ण करने समर्थ होगें।
4. संस्कृतभाषा के अध्ययन से विद्यार्थी अन्य भाषा के स्रोत को सरलता से समझ सकते हैं।
5. संस्कृतसम्भाषण से विद्याार्थियों की वाक्शक्ति का विकास होगा।

Credits:4	**Minor/ Elective Paper**
Max. Marks: 25 (Internel)+ 75 (External)=100	

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	संज्ञा प्रकरण–माहेश्वर सूत्र, प्रत्याहार, संस्कृत वर्णमाला परिचय एवं वर्णों के उच्चारण स्थान। संन्धि प्रकरण–अच् सन्धि –दीर्घ सन्धि, गुण सन्धि, यण् सन्धि, वृद्धि सन्धि, अयादि सन्धि, पूर्वरूप सन्धि एवं पररूप सन्धि। हल् सन्धि –श्चुत्व, ष्टुत्व, जश्त्व,, चर्त्व, अनुस्वार, लत्व सन्धि। विसर्ग सन्धि – सत्व, उत्व, रुत्व, लोप।	15
Unit II	शब्दरूप – राम, हरि, रमा, फल लेखनमात्र एवं शब्दरूपों में प्रयुक्त होने वाले सुप् प्रत्यय बोध। धातुरूप – पठ्, गम्, भू, दा।(पंचलकार– लट्, लृट्, लोट्, लङ्, विधिलिङ्) लेखनमात्र एवं धातुरूप में प्रयुक्त होने वाले तिप् प्रत्यय बोध। सर्वनाम रूप लेखनमात्र– तत्, एतत् (पु0, स्त्री0 एवं नपुं0 लिङ्ग) अस्मद्, युष्मद्।	05

Unit III	01 से 100 तक संख्या लेखन तथा संख्या विशेषण– यथा– एकधा, द्विधा, त्रिधा आदि, प्रथमा,द्वितीया आदि, दैनिक व्यावहारिक प्रचलित प्रशासनिक अंग्रेजी शब्दों का सस्कृत रूप एवं संस्कृत में वाक्य रचना अभ्यास। शब्दावली– शरीर वर्ग, परिवार वर्ग एवं भोज्य पदार्थ शब्दावली एवं संस्कृत में वाक्य रचना अभ्यास।	05
Unit IV	कारकप्रयोग, प्रत्यय परिचय, उपसर्गपरिचय, अव्ययपरिचय, वाच्यपरिवर्तन बोध एवं संस्कृत में वाक्यरचना अभ्यास।	15
Unit V	पत्रलेखन– शासकीय पत्र एवं अशासकीय पत्र। हिन्दी वाक्यों का संस्कृत भाषा में अनुवाद, संस्कृत भाषा के वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद का अभ्यास।	10
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	50 10 Total- 60

Suggested Reading:

1– रचनानुवादकौमुदी– डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
2– प्रौढ रचनानुवादकौमुदी– डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
3– संस्कृत भाषा– अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी।
4– लघुसिद्धान्तकौमुदी– धरानन्द शास्त्री(व्या0), मूल एवं हिन्दी व्याख्या, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
5– बृहद् अनुवाद चन्द्रिका– चक्रधर नौटियाल हंस, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
6– भाषा प्रवेशः–प्रथमः भागः सम्पादकाः– डॉ0 चाँदकिरण सलूजा, डॉ0 विश्वास, गिरिश चन्द्र तिवारी–संस्कृतभारती नवदेहली
7– वाच्य परिवर्तन – डॉ0 मधुर लता द्विवेदी– युवराज पब्लिकेशन्स, आगरा
8– प्रारम्भिक संस्कृत वाक्य संग्रह– सार्वभौम संस्कृत प्रचार संस्थानम्, वाराणसी।

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

अन्य सभी विभाग एवं संकाय

CERTIFICATE COURSE IN UG		
Programme: ***Certificate Course in Arts- Sanskrit***	**Year: I**	**Semester:II Paper-I**
Subject: Sanskrit		
CourseCode: SANCC102	**Course Title: संस्कृतमहाकाव्य, छन्दोऽलंकार एवं नाटक**	

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर काव्य के विभिन्न भेदों से परिचित हो सकेंगे।
2. संस्कृत महाकाव्य के अध्ययन से उनमें निहित महान् चरित्रों का अध्ययन कर आत्मसात् करेंगे।
3. विद्यार्थी संस्कृत महाकाव्य मे प्रयुक्त रस, छन्द, अलंकारों को समझने की क्षमता प्राप्त करेंगे।
4. संस्कृत महाकाव्यों में निहित सूक्तिों एवं सुभाषित वाक्यों के माध्यम से विद्यार्थियों का नैतिक एवं चारित्रिक उन्नयन होंगा।
5. संस्कृत नाटक के अध्ययन से विद्यार्थी संस्कृत नाट्य साहित्य को सामान्य रूप से समझने में सक्षम होंगे।
6. नाटक की पारिभाषिक शब्दावली से सुपरिचित होंगे तथा संवाद एवं अभिनय कौशल में पारंगत होंगे।

Credits:6	**Core Compulsory**
Max. Marks: 25 (Internel)+ 75 (External)=100	

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 6-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	रघुवंशम्–कालिदासकृत, द्वितीय सर्ग– 01 से 25 श्लोक पर्यन्त– सस्कृत महाकाव्य का सामान्य परिचय, महाकवि कालिदास का परिचय, रचनाएं, रघुवंशपरिचय, श्लोकों की व्याख्या एवं काव्यगत विशेषताएं।	12
Unit II	रघुवंशम्– कालिदासकृत, द्वितीय सर्ग– 26 से 50 श्लोक पर्यन्त–श्लोकों की व्याख्या, काव्यगत विशेषताएं एवं समीक्षात्मक प्रश्न।	10
Unit III	छन्द परिचय–लक्षण एवं उदाहरण–अनुष्टुप्, आर्या, इन्द्रवज्रा, वंशस्थ, बसन्ततिलका, शिखरिणी, शादूर्लविक्रीडित, मालिनी, भुजङ्गप्रयात एवं मन्दाक्रान्ता। अलंकार परिचय–लक्षण एवं उदाहरण–अनुप्रास, श्लेष, यमक, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, व्यतिरेक, विभावना, विशेषोक्ति, अतिशयोक्ति।	12
Unit IV	अभिज्ञानशाकुन्तलम्–कालिदासकृत, 1–4 अंक–श्लोकों की व्याख्या, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न।	26
Unit V	नाट्य साहित्य का सामान्य परिचय एवं नाट्यशास्त्रीय पारिभाषिक शब्दावली (दशरूपक के आधार पर)– नान्दी, प्रस्तावना, सूत्रधार, आकाशभाषित, विष्कम्भक, प्रवेशक, जनान्तिक, अपवारित, स्वगतकथन, एवं भरतवाक्य।	10

	Class Room Lectures	70
	Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	20
		Total- 90

Suggested Reading:

1. राघुवंशम् महाकाव्यम्–सम्पा0 महावीर शास्त्री– प्रकाशन साहित्यभण्डार,सुभाष बाजार ,मेरठ–250002।
2– छन्दोऽलंकार ज्ञान– डॉ किरण टण्डन।
3– अलंकार शास्त्र का इतिहास– डॉ0 कृष्ण कुमार।
4– वृत्तरत्नाकर– पं0 केदारभट्ट– व्याख्या प0 बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
5– साहित्यदर्पण– नवम्–दशम परिच्छेद।
6– छन्दोऽलंकार परिचय– डॉ0 लज्जा भट्ट, लक्ष्मी प्रकाशन।
7– छन्दोऽलंकार सौरभम्– डॉ0 सावित्री गुप्ता, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली।
8– अभिज्ञानशाकुन्तलम्– डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, साहित्य संस्थान इलाहाबाद।
9– अभिज्ञानशाकुन्तल एक विश्लेषण– डॉ0 देवीदत्त शर्मा।
10– संस्कृत साहित्य का इतिहास– डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, ज्ञान प्रकाशन भदौही।
11– संस्कृत साहित्य का इतिहास– डॉ0 बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
12– महाकवि कालिदास– रमाशंकर तिवारी।
13– संस्कृत नाटक– ए.बी. कीथ।
14– संस्कृत नाटक– रामजी उपाध्याय।

This course can be opted as an elective by the students of UG

DIPLOMA COURSE IN UG

Programme: Diploma *Course in Arts- Sanskrit*	**Year: II**	**Semester:III Paper-I**

Subject: Sanskrit

CourseCode: SANCC201	**Course Title: संस्कृत साहित्य, भारतीय संस्कृति एवं व्याकरण**

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर काव्य रचनाओं से परिचित हो सकेंगे।
2. भारतीय संस्कृति के अध्ययन से विद्यार्थी संस्कृति की विशेषताओं से परिचित होंगे जिससे उनका नैतिक एवं चारित्रिक उत्कर्ष होंगा।
3. भारतीय सास्कृतिक तत्त्वों एवं मूल्यों को आत्मसात् कर भारतीयता के गर्व बोध से युक्त उत्तम नागरिक बनेगें।
4. संस्कृत व्याकरण का ज्ञान प्राप्त कर उसकी वैज्ञानिकता से सुपरिचित हो सकेंगे।

Credits: 6	**Core Compulsory**
Max. Marks: 25 (Internel)+ 75 (External)=100	

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 6-0-0

Unit	**Topic**	**No. of Lectures**
Unit I	किरातार्जुनीयम्– भारवि कृत– प्रथम सर्ग–01 से 50 श्लोक पर्यन्त– महाकाव्य का परिचय, कवि परिचय, श्लोकों की व्याख्या, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न।	15
Unit II	शिवराजविजयम्– अम्बिकादत्त व्यास कृत प्रथम विराम से प्रथम निःश्वास, ग्रन्थ परिचय, कवि परिचय, व्याख्या, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न।	15
Unit III	भारतीय संस्कृति– भारतीय संस्कृति की विशेषताएँ, पंच महायज्ञ, संस्कार, पुरुषार्थ चतुष्ट्य, वर्णाश्रम व्यवस्था।	10
Unit IV	सन्धिप्रकरणम्–(लघुसिद्धान्तकौमुदी से) अच् सन्धि (सूत्रव्याख्या एवं सूत्र निर्देशपूर्वक सन्धि एवं सन्धि विग्रह)। हल् सन्धि (सूत्रव्याख्या एवं सूत्र निर्देश पूर्वक सन्धि एवं सन्धि विग्रह)। विसर्ग सन्धि (सूत्रव्याख्या एवं सूत्र निर्देश पूर्वक सन्धि एवं सन्धि विग्रह)।	18

Unit V	कारक प्रकरण, लघुसिद्धान्तकौमुदी से– सूत्रसंख्या– 2/3/46, 2/3/47, 1/4/49, 2/3/2, 1/4/51, 1/4/54, 1/4/42, 2/3/18, 1/4/32, 2/3/13, 2/3/16, 1/4/24, 2/3/28, 2/3/50, 1/4/45 एवं 2/3/36 सूत्रों की व्याख्या एवं उदाहरण।	12
		70
	Class Room Lectures	20
	Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	Total- 90

Suggested Reading:

1–किरातार्जुनीयम् (भारविकृत्)– जनार्दन शास्त्री पाण्डेय, मोतीलाल बनारसी दास पब्लिकेशन, दिल्ली।
2– शिवराजविजयः (अम्बिकादत्त व्यास) प्रथम विराम –डॉ0 रमाशंकर मिश्र।
3– भारतीय संस्कृति– डॉ0 किरन टण्डन, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, नई दिल्ली।
4– भारतीय संस्कृति का इतिहास– डॉ0 नरेन्द्र देव सिंह शास्त्री।
5– भारतीय संस्कृति– डॉ0 इन्दुमती मिश्र।
6– आधुनिक गद्यसाहित्य का इतिहास– कलानाथ शास्त्री।
7– लघुसिद्धान्तकौमुदी (समास प्रकरण)– डॉ0 सूरेन्द्र देव शास्त्री।
8– लघुसिद्धान्तकौमदी (समास प्रकरण)– श्री धरानन्द शास्त्री, चौखम्बा सुरभारती, बनारस।
9– शिवराजविजय– डॉ0 बाबूरामत्रिपाठी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा।
10– लघुसिद्धान्तकौमुदी– महेश सिंह कुशवाहा।

This course can be opted as an elective by the students of UG.

DIPLOMA COURSE IN UG		
Programme: ***Diploma Course in Arts- Sanskrit***	**Year: II**	**Semester:III or IV**
Subject: Sanskrit		
CourseCode: SANME203	**Course Title: श्रीमद्भगवद्गीता का अध्ययन**	

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. विद्यार्थी श्रीमद्भगवद्गीता के अन्तर्गत प्रतिपाद्य विषय से अवगत हो सकेंगे।
2. श्रीमद्भगवद्गीता के माध्यम से कर्मसिद्धान्त एवं अध्यात्मज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
3. मानवजीवन में ज्ञान के महत्त्व को आत्मसात करने में सक्षम होंगे।
4. विद्यार्थी आत्मप्रबन्धन के क्षेत्र में दक्षता प्राप्त कर सकेंगे।

Credits: 4	**Minor/ Elective Paper**
Max. Marks: 25 (Internel)+ 75 (External)=100	

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	श्रीमद्भगवद्गीता– महाभारत का संक्षिप्त परिचय, महर्षि वेदव्यास का परिचय एवं श्रीमद्भगवद्गीता के अध्यायों का संक्षिप्त परिचय।	05
Unit II	श्रीमद्भगवद्गीता में सांख्ययोग– श्रीमद्भगवद्गीता के द्वितीय अध्याय के अन्तर्गत सांख्ययोग से सम्बन्धित विषय विवेचन।	10
Unit III	श्रीमद्भगवद्गीता में कर्मयोग– श्रीमद्भगवद्गीता के तृतीय एवं चतुर्थ अध्याय में निहित कर्म सिद्धान्त का विवेचन।	10
Unit IV	श्रीमद्भगवद्गीता में ज्ञानयोग– श्रीमद्भगवद्गीता के सम्पूर्ण अध्यायों में निहित ज्ञानयोग की विवेचना एवं महत्त्व।	14
Unit V	श्रीमद्भगवद्गीता में आत्मप्रबन्धन– श्रीमद्भगवद्गीता में वर्णित आत्मप्रबन्धन का विवेचन एवं मानवजीवन में आत्मप्रबन्धन की उपयोगिता।	10
	Class Room Lectures	49
	Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	11
		Total- 60

Suggested Reading:

1. श्रीमद्भगवद्गीता– गीता प्रेस गोरखपुर।
2. श्रीमद्भगवद्गीता हिन्दी टीकाकार– डॉ0 श्रीकृष्ण त्रिपाठी।
3. श्रीमद्भगवद्गीता (मधुसूदनी संस्कृत टीका)– श्री सनातन देव।
4. श्रीमद्भगवद्गीता– डॉ0 बाबूराम त्रिपाठी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा।
5. गीताविज्ञानभाष्यम्– डॉ0 रामप्रकाश सारस्वत, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा।
6. श्रीमद्भगवद्गीतारहस्य, बालगंगाधर तिलक

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

अन्य सभी विभाग एवं संकाय

DIPLOMA COURSE IN UG

Programme: *Diploma Course in Arts- Sanskrit*	**Year: II**	**Semester:IV Paper-I**

Subject: Sanskrit

CourseCode: SANCC202	**Course Title: संस्कृत साहित्य, साहित्यकार परिचय एवं निबन्ध**

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर पद्यसाहित्य एवं गद्यसाहित्य से सुपरिचित हो सकेंगे।
2. सम्बन्धित साहित्य के अध्ययन से पद्यसाहित्य की सुगीतात्मकता का सौन्दर्य बोध कर सकेंगे।
3. सम्बन्धित साहित्य के माध्यम से उनका नैतिक एवं चारित्रिक उत्कर्ष होगा।
4. प्राचीन एवं अर्वाचीन संस्कृत साहित्यकारों के अध्ययन से प्रेरणा प्राप्त कर सकेंगे।
5. विद्यार्थियों में निबन्ध एवं अनुच्छेद लेखन क्षमता को विकास होगा।

Credits: 6	**Core Compulsory**
Max. Marks: 25 (Internel)+ 75 (External)=100	

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 6-0-0

Unit	**Topic**	**No. of Lectures**
Unit I	शिशुपालवधम्–महाकाव्यम्–प्रथम सर्ग–01से 50 श्लोक पर्यन्त– संस्कृत साहित्य का संक्षिप्त परिचय, महाकाव्य का संक्षिप्त परिचय, शिशुपालवधम् के सर्गों का संक्षिप्त परिचय, कृतिकार का परिचय, श्लोकों की व्याख्या, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न।	17
Unit II	कादम्बरी– शुकनासोपदेश– गद्यसाहित्य का परिचय, कादम्बरी का संक्षिप्त परिचय, गद्यकार परिचय, शुकनासोपदेश के अनुच्छेदों की व्याख्या, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न।	16
Unit III	प्राचीन सस्कृत साहित्यकारों का परिचय एवं संस्कृत साहित्य में उनका योगदान यथा–वाल्मीकि, व्यास, भास, कालिदास, भवभूति, शूद्रक, बाणभट्ट, दण्डी, हर्षदेव, श्रीहर्ष।	10
Unit IV	अर्वाचीन संस्कृत साहित्यकारों का परिचय एवं संस्कृत साहित्य में उनका योगदान यथा– पण्डित अम्बिकादत्त व्यास, पण्डिता क्षमा राव, शिवप्रसाद भारद्वाज, मथुरा प्रसाद दीक्षित, हरिनारायण दीक्षित, अभिराजराजेन्द्र मिश्र, सदानंद डबराल, राधावल्लभ त्रिपाठी, रमाकांत शुक्ल, भास्कराचार्य त्रिपाठी,विश्वेश्वर पांडेय	15

Unit V	निबन्ध लेखन : संस्कृत भाषा में – संस्कृत भाषा, विद्या, उद्योगः, परोपकारः, स्त्री शिक्षा, अहिंसा, सत्संगतिः, पर्यावरणम्।	12
	Class Room Lectures	70
	Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	20
		Total- 90

Suggested Reading:

1– शिशुपालवधम्– डॉ0 बाबूराम त्रिपाठी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा।
2– कादम्बरी : शुकनासोपदेश
3– संस्कृत साहित्य का इतिहास– कपिलदेव द्विवेदी, चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी।
4– संस्कृत साहित्य का इतिहास– आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
5– आधुनिक संस्कृत साहित्य– डॉ0 हीरालाल शुक्ल।
6– संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास– राधाबल्लभ त्रिपाठी विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी।
7– आधुनिक संस्कृत साहित्य सन्दर्भ सूची (सम्पादक) राधावल्लभ त्रिपाठी राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली।
8– आधुनिक संस्कृत काव्य की परिक्रमा, मंजू लता शर्मा, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान नई दिल्ली।
9– संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास– सप्तम खण्ड आधुनिक खण्ड, उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, उत्तर प्रदेश।

This course can be opted as an elective by the students of UG.

DEGREE COURSE IN UG

Programme: *Degree Course in Arts- Sanskrit*	**Year: III**	**Semester:V Paper-I**

Subject: Sanskrit

CourseCode: SANCC301	**Course Title: काव्यशास्त्र, दर्शन एवं व्याकरण**

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. विद्यार्थी काव्यशास्त्र के उद्भव और विकास से सुपरिचित होकर काव्यशास्त्रीय तत्त्वों को समझने में सक्षम होंगे।
2. भारतीय दार्शनिक तत्त्वों का सामान्य ज्ञान प्राप्त होगा।
3. दार्शनिक तत्त्वों के प्रति विश्लेषणात्मक एवं तार्किक क्षमता का विकास होगा।
4. व्याकरणशास्त्र के ज्ञान के माध्यम से शुद्ध वाक्य विन्यास कौशल का विकास हो सकेंगा।

Credits:5	**Core Compulsory**
Max. Marks: 25 (Internel)+ 75 (External)=100	

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 5-0-0

Unit	**Topic**	**No. of Lectures**
Unit I	साहित्यदर्पणः– षष्ठः परिच्छेदः– काव्य के अन्यनिमित्तक भेद : दृश्य काव्य, कारिका 1 से 19 कारिका पर्यन्त– साहित्यदर्पण का संक्षिप्त परिचय, आचार्य विश्वनाथ का परिचय, कारिकाओं का अर्थ एवं टिप्पणी।	15
Unit II	साहित्यदर्पणः– षष्ठः परिच्छेदः– काव्य के अन्यनिमित्तक भेद : श्रव्य काव्य, कारिका 313 से 337 कारिका पर्यन्त– कारिकाओं का अर्थ, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न।	12
Unit III	तर्कसंग्रह, अन्नंभट्ट, प्रारम्भ से प्रत्यक्ष प्रमाण पर्यन्त– ग्रन्थ का परिचय, रचनाकार का परिचय, व्याख्या, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न।	14
Unit IV	तर्कसंग्रह, अन्नंभट्ट, अनुमान प्रमाण से समाप्ति पर्यन्त– व्याख्या, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न।	12
Unit V	व्याकरण– प्रत्यय (कृदन्त) तव्यत्, अनीयर्, ण्वुल्, तृच्, क्त्, क्तवतु, क्तिन्, तुमुन् एवं घञ्। (लघुसिद्धान्तकौमुदी)– प्रत्यय परिचय, सूत्रों का व्याख्या, उदाहरण।	12
	Class Room Lectures	65
	Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	10
		Total- 75

Suggested Reading:

1. काव्यालंकार– शिवनारायण शास्त्री, परिमल प्रकाशन।
2. साहित्यदर्पण– प्रो0 सत्यव्रत सिंह, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन।
3. तर्कसंग्रह (अन्नम् भट्ट)– डॉ0 चन्द्रशेखर द्विवेदी।
4. लघुसिद्धान्तकौमुदी– कृदन्त प्रकरण– महेश सिंह कुशवाहा।
5. लघुसिद्धान्तकौमुदी– श्री धरानन्द शास्त्री, चौखम्बा सुरभारती, बनारस।
6. लघुसिद्धान्तकौमुदी– डॉ0 सुरेन्द्र देव शास्त्री।
7. लघुसिद्धान्तकौमुदी– वरदराज, भैमी व्याख्या, भीमसेन शास्त्री (1–6 भाग)।
8. लघुसिद्धान्तकौमुदी– गोविंद प्रसाद शर्मा एवं आचार्य रघुनाथ शास्त्री, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन।
9. लघुसिद्धान्तकौमुदी– डॉ0 उमेश चन्द्र पाण्डे, चौखम्बा प्रकाशन।
10. कृदन्त प्रकरणम्– डॉ0 लज्जा भट्ट– राधा पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली।
11. काव्यदीपिका– कान्ति चन्द्र भêाचार्य– मोती लाल बनारसी दास

This course can be opted as an elective by the students Who cleared their Diploma in sanskrit

DEGREE COURSE IN UG

Programme: *Degree Course in Arts- Sanskrit*	**Year: III**	**Semester:V Paper-II**

Subject: Sanskrit

CourseCode: SANCC302	**Course Title: उपनिषद्, पुराण एवं स्तोत्रकाव्य**

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. उपनिषद् का सामान्य परिचय एवं निहित उपदेशों का अवबोध होगा।
2. पुराणों के परिचय से सांस्कृतिक एवं सामाजिक चेतना से परिचित होंगे।
3. स्तोत्र काव्य के परिचय से कल्याण परक तथ्यों से परिचित होकर आत्मोत्कर्ष की अभिप्रेरणा प्राप्त होगी।
4. स्तोत्र काव्य के रहस्य द्वारा सृष्टि कल्याणार्थ भाव विकसित होंगे।

Credits: 5	**Core Compulsory**
Max. Marks: 25 (Internel)+ 75 (External)=100	

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 5-0-0

Unit	**Topic**	**No. of Lectures**
Unit I	उपनिषदों का सामान्य परिचय– उपनिषद् का अर्थ, उपनिषदों की संख्या, उपनिषदों का प्रतिपाद्य विषय एवं महत्त्व।	12
Unit II	कठोपनिषद् : प्रथम अध्याय– प्रथमवल्ली – कठोपनिषद् का संक्षिप्त परिचय, महत्त्व, मन्त्रों की व्याख्या, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न।	15
Unit III	प्रमुख पुराणों का सामान्य परिचय– ब्रह्म पुराण, पद्म पुराण, विष्णु पुराण, अग्नि पुराण, मार्कण्डेय पुराण, वायु पुराण और स्कन्द पुराण।	14
Unit IV	श्रीमद्भागवद्पुराण का ''नारायण कवच''– श्रीमद्भागवद्पुराण परिचय, एवं नारायण कवच का अर्थ एवं महत्त्व	12
Unit V	स्तोत्रकाव्य : आदित्यहृदयस्तोत्र– स्तोत्रकाव्य का परिचय, महत्त्व एवं आदित्यहृदयस्तोत्र का अर्थ एवं महत्त्व ।	12
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	65 10 Total- 75

Suggested Reading:

1– कठोपनिषद्– सुरेन्द्र देव शास्त्री, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी।
2– पुराण विमर्श– पण्डित बलदेव उपाध्याय, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली।
3– श्रीमद्भागवद् पुराण– गीता प्रेस, गोरखपुर।
4– वैदिक साहित्य का इतिहास– डॉ0 कर्णसिंह।
5– पुराण तत्त्व मीमांसा– डॉ0 श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी, चौखम्बा साहित्य, वाराणसी।
6– श्रीमद्भागवतम्– सम्पा0 रामतेज पाण्डेय शास्त्री, चौखम्बा साहित्य, वाराणसी।

This course can be opted as an elective by the students Who cleared their Diploma in Sanskrit

DEGREE COURSE IN UG

Programme: ***Degree Course in Arts- Sanskrit***	**Year: III**	**Semester:V Project**

Subject: Sanskrit

CourseCode: SANRP303	**Course Title:** संस्कृत साहित्य की विविध विधाओं पर लघु शोध कार्य

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. विद्यार्थी लघुशोधात्मक अध्ययन एवं कार्य के माध्यम से संस्कृत साहित्य की विविध विधाओं से परिचित होगें।
2. संस्कृत साहित्य के प्रसार के लिए संस्कृत साहित्य अध्ययन सहायक होगा।
3. विद्यार्थी संस्कृत साहित्य के अध्ययन के माध्यम से शोध कार्य में कुशलता प्राप्त कर सकेंगे।

Credits: 4	**Project**
Max. Marks: 25 (Internel)+ 75 (External)=100	

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	**Topic**	**No. of Lectures**
Unit I	लघुशोध कार्य की भूमिका, शोधशीर्षक, उद्देश्य, महत्त्व एवं शोध प्रविधि का संक्षिप्त परिचय।	20
Unit II	संस्कृतसाहित्य की विविध विधाओं का सामान्य परिचय।	20
Unit III	संस्कृत साहित्य की विविध विधाओं पर हुए शोधकार्यों का सर्वेक्षण। लघुशोधकार्य– पृष्ठ 30 से 50 तक।	20
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc विद्यार्थी द्वारा किये गये अपने लघुशोधकार्य का प्रस्तुतिकरण।	Total- 60

Suggested Reading:

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास– आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन, अथवा शारदा निकेतन, वाराणसी।
2. नाट्यशास्त्र– भरतमुनि, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली।
3. संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास– पं0 बलदेव उपाध्याय, उत्तर प्रदेश अकादमीय लखनऊ।
4. साहित्यदर्पण– शालिग्रामशास्त्रीविरचित, मोतीलाल बनारसी दास, वाराणसी।

5–दशरूपकम्– धनञ्जय,मोतीलाल बनारसी दास, वाराणसी।

6–काव्यदीपिका– विद्यारत्न कान्तिचन्द्र भट्टाचार्य, मोतीलाल बनारसी दास,दिल्ली।

7–संस्कृत साहित्य का समग्र इतिहास–भाग 1–4,राधावल्लभ त्रिपाठी, न्यू भारतीय बुक कार्पोरेशन,दिल्ली

8–संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशंकर शर्मा ऋषि,चौखम्बा भारती अकादमी,वाराणसी

9–संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास, राधावल्लभ त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन,वाराणसी।

10–काव्यदीपिका– सम्पादक प्रो0 गिरीश चन्द्र पन्त, इन्दु प्रकाशन, दिल्ली।

This course can be opted as an elective by the students who cleared their Diploma in Sanskrit.

DEGREE COURSE IN UG

Programme: *Degree Course in Arts- Sanskrit*	**Year: III**	**Semester:VI Paper-I**

Subject: Sanskrit

CourseCode: SANCC304	**Course Title: वैदिकवाङ्मय**

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. वैदिकवाङ्ग्मय संस्कृत की समृद्ध परम्परा को समझने में पर्याप्त सहायक होगा।
2. वेदोक्त संदेशों एवं मूल्यों के माध्यम से आचरण का उदात्तीकरण होगा।
3. वैदिक सूक्तों के माध्यम से विद्यार्थी को तत्कालीन अध्यात्म, समाज एवं राष्ट्र का दिग्दर्शन होगा।
4. वेदाङ्ग के सम्यक्बोध से सर्वकल्याणार्थ उनका उपयोग करेगें।

Credits: 5	**Core Compulsory**
Max. Marks: 25 (Internel)+ 75 (External)=100	

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 5-0-0

Unit	**Topic**	**No. of Lectures**
Unit I	वेद– ऋग्वेद– अग्निसूक्त– 1/1, विष्णुसूक्त– 1/154, पुरुषसूक्त– 10/90, वैदिक साहित्य का संक्षिप्त परिचय, महत्त्व, सूक्तों का संक्षिप्त परिचय, व्याख्या एवं टिप्पणी।	20
Unit II	यजुर्वेद– शिवसंकल्पसूक्त– सूक्त का संक्षिप्त परिचय, व्याख्या एवं टिप्पणी।	10
Unit III	अथर्ववेद– पृथिवीसूक्त (द्वादशकाण्ड) 1 से 10 मन्त्र पर्यन्त– सूक्त का संक्षिप्त परिचय, व्याख्या एवं टिप्पणी।	10
Unit IV	वेद, ब्राह्मण एवं आरण्यक ग्रन्थ परिचय– ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद एवं अथर्ववेद का सामान्य परिचय, ब्राह्मण एवं आरण्यक का सामान्य परिचय एवं वर्तमान परिप्रेक्ष्य में इनकी प्रासङ्गिकता।	15
Unit V	वेदाङ्ग–शिक्षा, कल्प, व्याकरण, ज्योतिष, छन्द एवं निरुक्त का सामान्य परिचय एवं वर्तमान परिप्रेक्ष्य में इनकी प्रासङ्गिकता।	10
	Class Room Lectures	65
	Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	10
		Total- 75

Suggested Reading:

1– वैदिक सूक्त चयनिका– डॉ0 किरण टण्डन, डॉ0 जया तिवारी, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी ।
2– वैदिक सूक्त संकलन– विजय शंकर पाण्डे।
3– वैदिक सूक्त संग्रह– अयोध्या प्रसाद सिंह।
4– वैदिक साहित्य का इतिहास– डॉ0 कर्णसिंह।
5– वैदिक साहित्य और संस्कृति का स्वरूप– डॉ0 ओम प्रकाश पाण्डे।
6– शिवसंकल्पसूत्रम्– संस्कृत हिन्दी टीका सहित– डॉ0 त्रिलोकी नाथ द्विवेदी, चौखम्बा साहित्य प्रकाशन, वाराणसी।
7–न्यू वैदिक सलेक्शन– भाग–1, 2 सम्पादक–ब्रजविहारी चौबे (तैलंग एवं चौबे)
8– ऋक्सूक्त मञ्जूषा– प्रो0 महावीर अग्रवाल, सत्यप्रकाशन, नई दिल्ली।

This course can be opted as an elective by the students who cleared their Diploma in Sanskrit.

DEGREE COURSE IN UG

Programme: *Degree Course in Arts- Sanskrit*	**Year: III**	**Semester:VI Paper-II**

Subject: Sanskrit

CourseCode: SANCC305	**Course Title: धर्मशास्त्र : स्मृतियॉ एवं अर्थशास्त्र**

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. स्मृति साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर सकेंगे।
2. मनुस्मृति के माध्यम से भारतीय संस्कृति एवं संस्कार का अवबोध कर सकेंगे।
3. याज्ञवल्क्य स्मृति के अध्ययन से आचार एवं व्यवहार का सम्यक् ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
4. कौटिलीय अर्थशास्त्र के अध्ययन से राज्यव्यवस्था, कृषि, न्याय एवं राजनीति आदि के मूलभूत सिद्धान्तों का अवबोध कर सकेंगे।

Credits: 5	**Core Compulsory**
Max. Marks: 25 (Internel)+ 75 (External)=100	

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 5-0-0

Unit	**Topic**	**No. of Lectures**
Unit I	स्मृति साहित्य का सामान्य परिचय– स्मृति साहित्य का परिचय, महत्त्व एवं प्रतिपाद्य विषय, प्रमुख स्मृतियों का परिचय।	09
Unit II	मनुस्मृतिः– प्रथमः अध्यायः–संसारोत्पत्ति वर्णन से षड्मनूनां नामनिर्देशः तक (05 से 63 श्लोक तक)– मनुस्मृति का प्रतिपाद्य विषय, श्लोकों की व्याख्या एवं टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न।	14
Unit III	याज्ञवल्क्यस्मृतिः– व्यवहाराध्यायः– साधारणव्यवहारमातृकाप्रकरणम् तथा दायविभागप्रकरणम्– याज्ञवल्क्य स्मृति का प्रतिपाद्य विषय एवं श्लोकों की व्याख्या एवं टिप्पणी।	14
Unit IV	कौटिलीय अर्थशास्त्र का सामान्य परिचय– कौटिल्य अर्थशास्त्र का प्रतिपाद्य विषय, आचार्य कौटिल्य परिचय, कौटिल्य अर्थशास्त्र का महत्त्व एवं समीक्षात्म प्रश्न।	14
Unit V	कौटिलीय अर्थशास्त्र :– विनयाधिकारिक प्रथमाधिकरण–से आन्वीक्षिकीस्थापना, त्रयीस्थापना एवं वार्तादण्डनीतिस्थापना के अंशों की व्याख्या, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न।	14
	Class Room Lectures	65
	Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	10
		Total- 75

Suggested Reading:

1– मनुस्मृति– पण्डित रामेश्वरभट्ट कृत हिन्दी टीका सहित– चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान दिल्ली।
2– याज्ञवल्क्यस्मृति (हिन्दीव्याख्याकार)– डॉ0 उमेश चन्द्र पाण्डेय, आचार्य कपिलदेव गिरि– चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।
3– वैदिक साहित्य का इतिहास– डॉ0 कर्ण सिंह।
4– विशुद्ध मनुस्मृति– डॉ0 सुरेन्द्र कुमार।
5– मनुस्मृति हिन्दी व्याख्या सहित– डॉ0 गजानन्द शास्त्री मुसलगॉवकर, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
6– याज्ञवल्क्यस्मृतिः– मिताक्षरा– संस्कृत तथा हिन्दी टीका सहित– गंगासागर राय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।

This course can be opted as an elective by the students who cleared their Diploma in Sanskrit.

DEGREE COURSE IN UG		
Programme: ***Degree Course in Arts- Sanskrit***	**Year: III**	**Semester:VI Project**
Subject: Sanskrit		
CourseCode: SANRP306	**Course Title: वैदिक वाङ्मय पर आधारित लघु शोधकार्य**	

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1.विद्यार्थी लघुशोधकार्य के माध्यम से शोधप्रविधि से सुपरिचित होंगे।
2.वैदिक वाङ्मय के विविध ग्रन्थों से परिचित होगे।
3.वेद, वैदिक संहिता, ब्राह्मण ग्रन्थ, आरण्यक ग्रन्थ, उपनिषद् ,वेदाङ्ग एवं वैदिक साहित्य की पृष्ठभूमि में रचित ग्रन्थों से सुपरिचित होंगे।
4.लघुशोधकार्य के पश्चाद् बृहद्शोधकार्य के प्रति उत्साहित होंगे।
5.शोध सर्वेक्षण के माध्यम से अन्य विषयों में शोधकार्य की सम्भावनाओं से अवगत होंगे।

Credits: 4	**Project**
Max. Marks: 25 (Internel)+ 75 (External)=100	

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	लघुशोधकार्य की भूमिका, उद्देश्य, महत्त्व, शोध सर्वेक्षण एवं शोध प्रविधि की उपादेयता।	20
Unit II	वैदिक वाङ्मय का परिचय।	20
Unit III	वैदिक वाङ्मय में किये गये शोधकार्य का सर्वेक्षण एवं शोधप्रविधि के अनुसार लघुशोधकार्य ।	20
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion, Presentation etc	Total- 60

Suggested Reading:

1.वैदिक साहित्य का इतिहास–डॉ0 कर्ण सिंह, साहित्य भण्डार मेरठ।
2. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति– आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन।
3. 108 उपनिषद्– ज्ञान खण्ड एवं साधना खण्ड– प्रकाशक युग निर्माण योजना विस्तार ट्रस्ट गायत्री तपोभूमि, मथुरा उत्तर प्रदेश।

SRI DEV SUMAN UTTARAKHAND UNIVERSITY, BADSHAHITHAUL, TEHRI GARHWAL

National Education Policy-2021

U G Syllabus
For
Vocational /Skill Development Minor Courses
(Session-2022-23)

SANSKRIT

S.I. No.	Year	Course Code	Paper Title	Theory/Practical	Credits
1		SAN/UGVM01	नित्यनैमित्तिक अनुष्ठान	Theory + Practical	2+0+1
2		SAN/UGVM02	ज्योतिष शास्त्र के मूलभूत सिद्वान्त	Theory + Practical	2+0+1

Vocational/Skill Development Minor Courses

Subject: Sanskrit		
Course Code:SAN/UGVM01	**Course Title: ज्योतिष शास्त्र के मूलभूत सिद्धान्त**	
Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि 1. भारतीय प्राचीन ज्ञान के प्रति अभिरूचि उत्पन्न होगी। 2. भारतीय ज्योतिष शास्त्र का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। 3. ज्योतिष के विभिन्न सिद्वांतों के माध्यम से विश्लेषण क्षमता जागृत होगी। 4. पंचांग अवलोकन एवं निर्माण कौशल का विकास होगा।		
Credits:3		**Vocational/Skill Development Courses**
Max. Marks: 25 (Internal)+75 (External)= 100		
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (In hours per week): 3-0-0		
Unit	**Topic**	**No. of Lectures**
Unit I	ज्योतिष शास्त्र का सामान्य परिचय, उद्भव एवं विकास,वेदांग का परिचय, ज्योतिष शास्त्र का महत्व, ज्योतिषशास्त्र का इतिहास एवं ज्योतिष शास्त्र परम्परा एवं विकास।	**12**
Unit II	ज्योतिषचंद्रिका–संज्ञा प्रकरण श्लोक 01 से 40 पर्यन्त–ज्योतिष चंद्रिका परिचय,कृतिकार का परिचय, ज्योतिषचंद्रिका का महत्व एवं प्रतिपाद्य	**12**
Unit III	क–ज्योतिषचंद्रिका–संज्ञाप्रकरण श्लोक 41 से 80 पर्यन्त– श्लोकों की व्याख्या, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न। ख–होडाचक्रम का सामान्य परिचय।	**13**
	Class Room Lectures **tutorial, Assignment, Clas Room Seminars, Group Discussion etc.**	**37** **08** **Total- 45**

Suggested Readings:

1. ज्योतिषचंद्रिका, रेवतीरमण शर्मा, (संपा)कान्ता भाटिया, भारतीय बुक कॉरपोरेशन, दिल्ली।
2. ज्योतिर्विज्ञान सन्दर्भ समालोचनिका, प्रो0बृजेशकुमार शुक्ल, प्रतिभा प्रकाश्न, दिल्ली।
3. बृहत्संहिता, अच्युतानंद झा(अनु0), चौखंबा विद्याभवन, वाराणसी।
4. बृहत् संहिता, राधाकृष्णन भट्ट(अनु0), मोतीलाल बनारसीदास वॉल्यूम 1 और 2, दिल्ली।
5. भारतीय ज्योतिष, शंकर बालकृष्ण दीक्षित शिवनाथ झारखंडी(अनु0), हिन्दीसमिति, उत्तरप्रदेश।
6. भारतीय ज्योतिष परिचय, सर्वनारायण झा, राष्ट्रीय संस्कृतसंस्थान, शास्त्री, नईदिल्ली।
7. ब्रह्मांड एवं सौर परिवार, त्रिपाठी देवीप्रसाद, दिल्ली।
8. भुवन कोश, त्रिपाठी देवीप्रसाद, दिल्ली।
9. ज्योतिष के आधारभूत सिद्धान्त एवं ज्योतिषचंद्रिका–सम्पादक व्याख्या0 गिरीश चन्द्र पन्त, इन्दु प्रकाशन, दिल्ली।
10. होडाचक्रम,सम्पादक डॉ० हरिप्रसाद द्विवेदी

Vocational/Skill Development Minor Courses

Subject: Sanskrit		
Course Code:SAN/UGVM02	**Course Title: नित्यनैमित्तिक अनुष्ठान**	
Course Outcomes: अधिगमउपलब्धि 1. विद्यार्थी भारतीय पारंपरिक कर्म काण्ड एवं सांस्कृतिक मूल्यों से परिचित होंगे। 2. नित्यनैमित्तिक अनुष्ठान विधि को जानकर जीवन को नियमबद्व एंव आचरणशील बनाने में समर्थ होंगे। 3. भारतीय कर्मकाण्ड के प्रामाणिक शास्त्रीय रूप से परिचित होकर उसकी व्यवहारिक उपयोगिता जानने योग्य बनेंगे। 4. सामान्य अनुष्ठान संपन्न कराने योग्य कुशल और पौरोहित्य कर्म विशारद बनेंगे। 5. आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को साकार करने में सक्षम एवं आत्मनिर्भर बनेंगे।		
Credits:3	**Vocational/Skill Development Courses**	
Max. Marks: 25 (Internal)+75 (External)= 100		
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (In hours per week): 3-0-0		
Unit	**Topic**	**No. of Lectures**
Unit I	नित्य विधि (प्रातरूत्थान, स्नान, संध्या, तर्पण तथा पंचयज्ञ)से सम्बन्धित मन्त्रों अथवा श्लोकों का अध्ययन एवं अभ्यास	**12**
Unit II	षोडशोपचार पूजन, कुश कंडिका विधि, मंडप–कुंड निर्माण तथा होम विधि आदि मन्त्रों अथवा श्लोकों का अध्ययन एवं अभ्यास।	**12**
Unit III	नवग्रह शांति, प्राग्जन्म तथा जातकर्म संस्कार, अन्नप्राशन तथा चौलकर्म, यज्ञोपवीत, विवाह संस्कार, गृहारम्भ एवं गृहप्रवेश आदि मन्त्रों अथवा श्लोकों का अध्ययन एवं अभ्यास।	**13**
	Class Room Lectures tutorial, Assignment, Clas Room Seminars, Group Discussion etc.	**37** **08** **Total- 45**

Suggested Readings:

1. हिन्दू संस्कार, राजबली पांडे चौखंबा विद्याभवन, वाराणसी, 1995।
2. धर्म शास्त्र का इतिहास, प्रथम भाग, अर्जुनचौबे, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ।
3. संस्कारप्रकाश, भवानी शंकर त्रिवेदी, लालबहादुर शास्त्री केंद्रीय संस्कृतविद्यापीठ, दिल्ली।
4. पौरोहित्य कर्म प्रशिक्षक, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ।
5. नित्यकर्म पूजा प्रकाश, गीताप्रेस गोरखपुर।
6. धर्म शास्त्र का इतिहास, पांडुरंग वामन काणे, (अनु0)अर्जुन चौबे कश्यप, प्रथम भाग, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ, 1973।